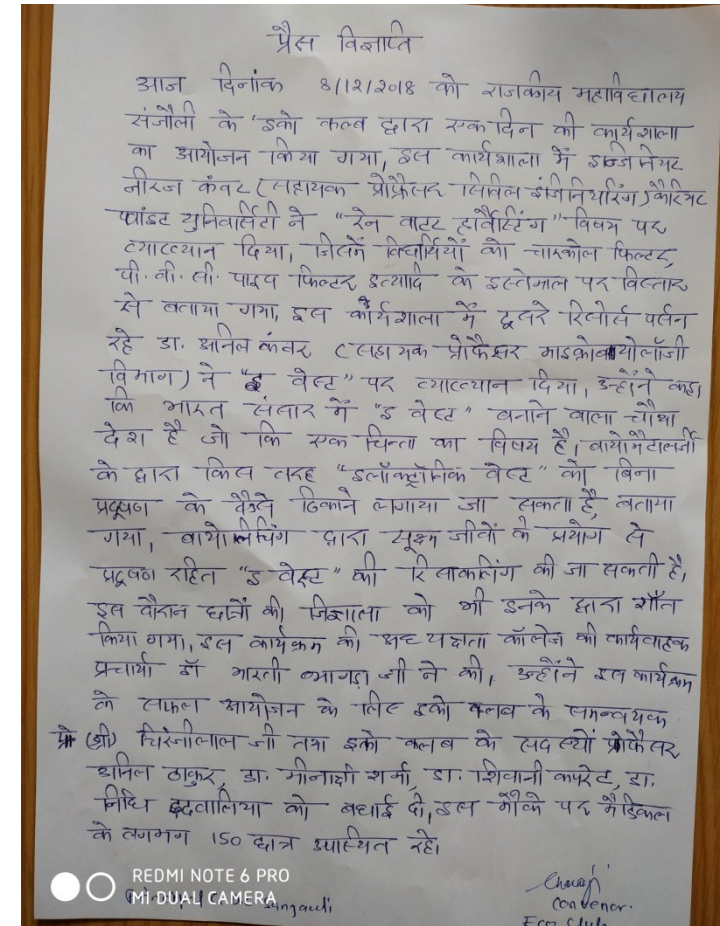


Workshop Organized by Eco Club of Govt. College Sanjauli, shimla-171006, H.P.(08,12,2018)



Workshop Organized by Eco Club of Govt. College Sanjauli, shimla-171006, H.P.(08,12,2018)



Workshop Organized by Eco Club of Govt. College Sanjauli, shimla-171006, H.P.(08,12,2018)



Workshop Organized by Eco Club of Govt. College Sanjauili, shimla-171006, H.P.(08,12,2018)



रेन वाटर हारवैस्टिंग पर छात्रों को दी जानकारी

शिमला, 8 दिसम्बर (ब्यूरो): सेंटर ऑफ एक्सीलेंस संजौली कालेज में ईको क्लब की ओर से छात्रों के लिए एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इंजीनियर नीरज कंवर ने छात्रों को रेन वाटर हारवैस्टिंग विषय पर जानकारी प्रदान की। इस दौरान छात्रों को बताया कि कैसे वर्षा के जल को संग्रहित कर इसे उपयोग में लाया जा सकता है। इसके लिए सभी भवन मालिकों को भवन निर्माण करते समय रेन वाटर हारवैस्टिंग टैंक का निर्माण करना चाहिए ताकि वर्षा के जल को उपयोग में लाया जा सके। इसके अलावा माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रो. डा. अनिल कंवर ने छात्रों को ई-वेस्ट के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज की कार्यवाहक प्राचार्य डा. भारती भागड़ा ने की। इस दौरान ईको क्लब के सभी सदस्य तथा छात्र मौजूद रहे।



संजौली कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी।

ई वेस्ट पैदा करने में चौथे स्थान पर भारत

शिमला। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस संजौली कॉलेज में शनिवार को ईको क्लब ने सदस्यों और आम छात्र-छात्राओं को वर्षा जल संग्रहण की तकनीकों की जानकारी दी गई। कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में कैरियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी से आए सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर नीरज कंवर ने विद्यार्थियों को रेन वाटर हारवैस्टिंग से अवगत करवाया। कार्यशाला में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिल कंवर ने बताया कि भारत संसार में ई वेस्ट (इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट) देने वाला चौथा देश है। यहां बहुत अधिक मात्रा में ई वेस्ट निकलता है, यह देश के लिए चिंता विषय है। इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट को ठिकाने लगाने के लिए समय रहते ठोस कदम उठाने होंगे। ई वेस्ट को किस तरह से ठिकाने लगाया जाए कि प्रदूषण न हो, इस पर हमें समय रहते न केवल सोचना होगा बल्कि इसे लेकर कदम भी उठाने होंगे। बायोलिचिंग तकनीक से सूक्ष्म जीवों का प्रयोग कर प्रदूषण रहित ई वेस्ट की रिसाइलिंग की जा सकती है। कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्य भारती भागड़ा ने विशेषज्ञों का महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए आभार जताया और ईको क्लब की इस कार्यशाला आयोजन पर सराहना की। क्लब समन्वयक चिरंजीलाल और ईको क्लब सदस्य अनिल ठाकुर, डॉ. मोनाक्षी शर्मा, डॉ. शिवानी कपरेट और डॉ. निधि डडवालिया ने सहयोग किया।

पंजाब केसरी
ई-पेपर

Sun, 09 December 2018

<https://epaper.punjabkesari.in/c/3>

